दिल्ली पब्लिक स्कूल,जम्मू

सत्र 2024 - 25

अभ्यास कार्य पत्र (1)

कक्षा:आठवीं **विषय:हिंदी**

प्र०1) निम्नलिखित पठित गद् यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :– **(अंक-5)**

● संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता। सज्जन या महात्मा ठीक इससे विपरीत होते हैं। उनका ध्यान दूसरों की बजाय केवल अपने दोषों पर जाता है। अधिकांश व्यक्तियों में कोई-न-कोई बुराई अवश्य होती है। कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है। मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छींटाकशी करने या टीका-टिप्पणी करने का। अपने मन की परख करना ही मन को पवित्र करने का सबसे उत्तम साधन है। आत्मनिरीक्षण आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। महात्मा कबीर ने कहा है कि जब मैंने मन की पड़ताल की तो मुझे अपने जैसा बुरा कोई न मिला। महात्मा गाँधी जी ने कई बार स्पष्ट रूप से कहा था कि मैंने जीवन में हिमालय जैसी बड़ी भूल की है। अपनी भूलों को ध्यान देना या उन्हें स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है। जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते और न ही अपने को दोषी स्वीकार करते हैं, वे सबसे बड़े कायर हैं। मन तो दर्पण है। मन में पाप है तो जग में पाप दिखाई देता है।

क) सज्जन और दुर्जन व्यक्ति के स्वभाव में क्या अंतर होता है ?
अ) सज्जन अपनी कमियों को दूर करता है और दुर्जन दूसरों की कमियों को ढूँढ़ता है।
आ) सज्जन स्वार्थी होते हैं जबकि दुर्जन निस्वार्थी।
इ) लोकहित के बारे में नहीं सोचते और दुर्जन लोकहित के बारे में ही सोचते हैं।
ई) सज्जन में आत्मबल नहीं होता जबकि दुर्जन में आत्मबल होता है।
ख) आत्मबल का चिह्न किसे माना गया है?
अ) अपनी गलतियों को सरल भाव से स्वीकार करना।
आ) अपनी गलतियों को अस्वीकार करना।
इ) अपनी गलतियों को अनदेखा करना।
ई) दूसरों की बुराइयों को ढूँढ़ना।
ग) उपर्युक्त गद् यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए –
अ) आत्मा की ताकत
आ) आत्मनिरीक्षण
इ) आत्मबल
ई) आत्मविश्वास
घ) आत्मा की उन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग क्या है ?
ङ) कौन सबसे बड़ा कायर है ?

प्र०2) आशय स्पष्ट कीजिए — **(अंक-2)**

● " इस बीच मैंने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने हैं । विरले ही हाथों में मैंने लाख की चूड़ियाँ देखीं । "

प्र०3) दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **(अंक-3)**

क) वर्ण की परिभाषा सोदाहरण दीजिए ।
ख) व्यंजन के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए ।
ग) ' दायित्व ' तथा ' सैन्य ' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए ।